भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2700

गुरुवार, 23 मार्च, 2023/2 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विशाखापत्तनम में पर्यटन को बढ़ावा

2700. श्री जी.वी.एल. नरसिंहा रावः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने विशाखापत्तनम शहर में किसी पर्यटन अवसंरचना विकास परियोजना के संबंध में कोई सहायता दी है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या मंत्रालय ने पर्यटन स्थल के रूप में विशाखापत्तनम का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन कराया है;

(घ) यदि नहीं, तो क्या मंत्रालय ऐसा अध्ययन करवाएगा;

(ङ) क्या मंत्रालय ने कभी विशाखापत्तनम को पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा दिया है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(च) विशाखापत्तनम से संचालित होने वाली यात्री क्रूज सेवाओं और क्रूज पर्यटन विकास की संभावनाओं का ब्यौरा क्या है;

(छ) विशाखापत्तनम में यात्री क्रूज टर्मिनल की स्थिति क्या है; और

(ज) क्या मंत्रालय की विशाखापत्तनम सहित विभिन्न राज्यों/शहरों में तटीय, क्रूज, समुद्र-तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन, प्रशाद और पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता जैसी अपनी विभिन्न योजनाओं के तहत केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना के विकास में सहायता करता है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत विशाखापत्तनम पोर्ट के बाहरी बंदरगाह में क्रूज बर्थ और चैनल बर्थ के निर्माण के लिए एक परियोजना वित्त पोषत की गई है। परियोजना की कुल लागत 38.50 करोड़ रु. है जिसमें से 29.91 करोड़ रु. विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट को जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2022-23 में प्रशाद योजना के तहत विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी वारी देवस्थानम में तीर्थयात्रा सुविधाओं के विकास के लिए 54.04 करोड़ रु. की सीएफए अनुमोदित की गई हैं।

(ग) और (घ): विशाखापत्तनम का एक पर्यटक गंतव्य के रूप में मूल्यांकन करने के लिए न तो कोई अलग से अध्ययन किया गया है और न ही ऐसा अध्ययन करने का प्रस्ताव है। तथापि पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2010 में आंध्र प्रदेश के लिए एक पर्यटन सर्वेक्षण किया था जिसमें विशाखापत्तनम भी शामिल था। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य आंध्र प्रदेश राज्य से पर्यटक सम्बन्धी संगत आंकड़े एकत्रित करना था।

(ड.): पर्यटन मंत्रालय विशाखापत्तनम जैसे पर्यटक गंतव्यों सहित भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। यह बाज़ार विकास सहायता सहित विदेशी संवर्धन और प्रचार (ओपीएमडी) योजना और आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) के माध्यम से विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड लाइन के तहत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान चलाता है। पर्यटन मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट www.incredibleindia.com के साथ-साथ समर्पित सोशल मीडिया हैंडलों के माध्यम से भी पर्यटन गंतव्यों का संवर्धन किया जाता है।

(च): पर्यटन मंत्रालय के लिए क्रूज पर्यटन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है क्योंकि यह आराम और यात्रा उद्योग के सबसे जीवंत और तेजी से बढ़ रहे क्षेत्रों में से एक है। प्रथम अतुल्य भारत अंतर्राष्ट्रीय क्रूज सम्मेलन दिनांक 14 और 15 मई 2022 को मुम्बई में हुआ था जिसमें भारत के क्रूज पर्यटन क्षेत्र में प्रचुर व्यावसायिक अवसरों को प्रदर्शित किया गया था। सम्मेलन में विशाखापत्तनम सहित विभिन्न पत्तनों को राष्ट्र के क्रूज केन्द्रों के रूप में रेखांकित किया गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इस समय विशाखापत्तनम में कोई समर्पित क्रूज टर्मिनल नहीं है।

(घ): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने विशाखापत्तनम पत्तन प्राधिकरण को क्रूज टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है और इसका 64 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।

(ज): पर्यटन मंत्रालय विशाखापत्तनम जैसे पर्यटक गंतव्यों सहित भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। यह बाज़ार विकास सहायता सहित विदेशी संवर्धन और प्रचार (ओपीएमडी) योजना और आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) के माध्यम से विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड लाइन के तहत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान चलाता है। पर्यटन मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट www.incredibleindia.com के साथ-साथ समर्पित सोशल मीडिया हैंडलों के माध्यम से भी पर्यटन गंतव्यों का संवर्धन किया जाता है।

****